हिन्दुस्तान

नगर संस्करण

पटना, वर्ष 25, अंक 74, 22+6 पेज, मूल्य 4.00 रुपए, चैत,

अधिकारी कर रहे अधिकारों का हनन

गोलमेज सम्मेलन में पंचायतों और शहरी नगर निकाय के प्रतिनिधियों ने लगाया आरोप

संवाद सूत्र

पटना

महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज का सपना आज भी अधूरा है। पंचायतों और शहरी नगर निकाय के प्रतिनिधियों के अधिकारों का हनन हो रहा है। योजनाओं के चयन में अफसरों की मनमानी के चलते गांवों का विकास बाधित हो रहा है। जनता में भारी असंतोष है। प्रिया की ओर से बुधवार को जिला योजना समितियों के सशक्तीकरण विषय पर राजधानी में आयोजित राज्यस्तरीय गोलमेज सम्मेलन में जुटे प्रतिनिधियों के भाषणों का लब्बोलुआब यही था। प्रतिनिधियों ने काफी तल्ख तेवर दिखाते हुए कहा कि पूरे बिहार की स्थिति कमोबेस यही है। सरकार इस मसले पर जल्द कोई कारगर पहल नहीं करती है तो आंदोलन तेज किया जाएगा। अररिया की जिला पर्षद अध्यक्ष शगुफ्ता प्रवीण ने कहा जिला योजना कमेटी अफसरों के हाथों की कठपुतली बन गई है, लेकिन इसके लिए प्रतिनिधि भी काफी हद तक जिम्मेवार हैं। पटना की जिला पर्षद अध्यक्ष शंकुतला देवी ने अधिकारों के लिए एकजुटता के साथ संघर्ष तेज करने पर बल दिया। दूसरे सत्र में पंचायती राज्य विभाग के सचिव दीपक प्रसाद ने कहा कि विकास योजनाओं में जिला समिति की भूमिका महत्वपूर्ण है। ऐसे में तंत्र को संचालित करने के लिए कुशल व सक्षम लीडरशीप हो। चौथे वित्त आयोग के सदस्य शैवाल गुप्ता ने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब बिहार सरकार की तरह पंचायतों के विकास की भी हर जगह चर्चा होगी।

उन्होंने विकास में बाजार के महत्व पर चर्चा करते हुए कहा कि बिहार में देश की तुलना में केवल चार प्रतिशत बाजार ही उपलब्ध है। इसे बढ़ाने की जरूरत है। कार्यक्रम का संचालन प्रिया दिल्ली के प्रोग्राम अफसर आलोक पांडेय ने किया। मौके पर संस्था के राज्य प्रबंधक ओमप्रकाश, वार्ड पर्षद आभा लता, विनय कुमार पप्पू, पूर्व मेयर चंद्रमोहन प्रसाद के अलावा अनुजा झा, अनारो देवी, रामचंद्र प्रसाद, आदि ने विचार रखे। धन्यवाद ज्ञापण डॉ. अंशुमन कारोल ने किया।

बुधवार को राज्यस्तरीय गोलमेज सम्मेलन में वक्ता। • हिन्दुस्तान

प्रत्यूष नवबिहार

पटना संस्करण, वर्ष : 5, अंक : 68, गुरुवार, 18 मार्च 2010, पृष्ठ : 12 मूल्य : 2.00

जिला योजना ही बने राज्य योजना का आधार

संवाददाता

पटना : समेकित जिला विकास योजनाओं में जिला समिति की भूमिका महत्वपूर्ण है. एडवांस प्लानिंग भेजने की तैयारी राज्य सरकार की ओर से की जा रही है क्योंकि जिला के लिए जो भी योजनायें बनायी जा रही है. इसके लिए प्लानिंग जरूरी है वो भी एडवांस में इसी के आलोक में जिला स्तर पर तंत्र विकसित किया जा रहा है. ऐसे में जरूरी है कि तंत्र को संचालित करने के लिए कुशल व सक्षम लिडरशीप हो. उक्त वातें प्रिया द्वारा आयोजित समेकित जिला योजना में जनसहभागीता को बढ़ाने के लिए जिला योजना समितियों का सशक्तिकरण विषय पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय गोलमेज सम्मेलन में पंचायत राज्य विभाग के सचिव डा. दीपक प्रसाद ने कहीं. चौथे राज्य वित्त आयोग के सदस्य शैवाल गुप्ता ने कहा कि 2006 के बाद जो विकास हुए है उसे पंचायती राज्य व्यवस्था के माध्यम से और आगे ले जाने की आवश्यकता है. डा. गुप्ता ने उम्मीद जाहिर की कि राज्य सरकार भी इस विषय में काफी संवेदनशील है. उन्होंने कहा कि अभी राज्य के विकास पर चर्चा हो रही है और वो दिन दूर नहीं जब जिला और पंचायत स्तर भी विकास की चर्चा होगी. विकास में बाजार के महत्व को बताते हुए श्री गुप्ता ने कहा कि पूरे हिन्दूस्तान की तुलना में बिहार में केवल चार प्रतिशत बाजार ही उपलब्ध है इसे

व्यवस्था संचालन के लिए सक्षम लीडरशीप जरूरी

बढ़ाने की जरूरत है. प्रिया के राज्य प्रबंधक ओम प्रकाश ने कहा कि बिहार के त्रिस्तरीय पंचायत राज्य संस्थान में 115876 ग्राम पंचायत सदस्य 8463 मुखिया 11566 पंचायत समिति सदस्य और 1162 जिला पार्षद है. इसमें लगभग 16 प्रतिशत अनु.जाति 1 प्रतिशत अनु.जन जाति 20 प्रतिशत अतिपिछड़ा और 50 प्रतिशत महिलायें है. अब समय आ गया है कि नगर संगठन, राजनीतिक दल और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोग पंचायतों एवं नगर निकाय को सशक्त बनाने केलिए काम करें.कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रिया दिल्ली के वरीय कार्यक्रम पदाधिकारी डा.आलोक पांडेय ने कहा कि विकेन्द्रीकृत योजना निर्माण की प्रक्रिया में जिला योजना समिति की महत्वपूर्ण भूमिका है. परंतु दुर्भाग्य यह है कि आज भी योजनायें स्थानीय स्तर पर नहीं मांगी जाती बल्कि उपर से बनायी जाती है. इस अवसर पर पंचायत राज्य विषय के विशेषज्ञ श्री तेज नारायण सिंह पटना जिला परिषद अध्यक्षा शकुंतला देवी, शांति, रूपा, के सचिव शगुफ्ता अजित अनुजा झा वार्ड पार्षद सह जिला योजना समिति सदस्य मधुबनी, अनारो देवी, जिला परिषद अध्यक्षा नालंदा के मुखिया, रामचंद्र प्रसाद निगम पार्षद विनय कुमार पप्पू सहित कई स्थानीय संस्था से जुड़े जनप्रतिनिधियों ने अपने विचार व्यक्त किये सभी आगत अतिथियों का धन्यवाद डा. अंशुमन कारोल ने किया.

i next
Patna, 18 March, 2010

आज की जरूरत

प्रिया संस्थान द्वारा जिला योजना समितियों को सशक्त करने के उद्देश्य से एक दिवसीय राज्यस्तरीय गोलमेज सम्मेलन का आयोजन होटल पाटलिपुत्रा अशोका में बुधवार को किया गया. इस मौके पर चौथे राज्य वित्त आयोग के सदस्य शैवाल गुप्ता ने बताया कि पंचायती राज्य व्यवस्था आज की जरूरत है. इस मौके पर प्रिया के राज्य प्रबंधक ओम प्रकाश, कार्यक्रम पदाधिकारी डा. आलोक पांडे, तेज नारायण सिंह, अमरेन्द्र आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए.

प्रभात खबर

बिहार जागे... देश आगे

पटना, 18 मार्च, 2010 (चैत्र, शुक्ल पक्ष 3 संवत 2067) www.prabhatkhabar.com पटना, रांची, जमशेदपुर, धन

सक्षम लीडरशिप जरूरी : दीपक

पटना : समेकित जिला विकास योजनाओं में जिला समिति की भूमिका महत्वपूर्ण है. जिले के लिए जो भी योजनाएं बनायी जा रही हैं, इसके लिए प्लानिंग जरूरी है, वो भी एड्वांस में. इसी के आलोक में जिला स्तर पर तंत्र विकसित किया जा रहा है. ऐसे में जरूरी है कि तंत्र को संचालित करने के लिए कुशल व सक्षम लीडरशिप हो. ये बातें पंचायत राज विभाग के सचिव डॉ दीपक प्रसाद ने कहीं. श्री प्रसाद बुधवार को प्रिया द्वारा आयोजित समेकित जिला योजना में सहभागिता को बढ़ाने के लिए जिला योजना समितियों का सशक्तीकरण विषय पर राज्यस्तरीय गोलमेज सम्मेलन में बोल रहे थे. चौथे राज्य वित्त आयोग के सदस्य शैवाल गुप्ता ने कहा कि 2006 के बाद जो विकास हुआ है, उसे पंचायत राज व्यवस्था के माध्यम से और आगे ले जाने की आवश्यकता है. विकास के बाजार के महत्व को बताते हुए श्री गुप्ता ने कहा कि पूरे हिंदुस्तान की तुलना में बिहार में केवल चार प्रतिशत बाजार ही उपलब्ध है, इसे बढ़ाने की जरूरत है. प्रिया के राज्य प्रबंधक ओम प्रकाश, वरीय कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ आलोक पांड्येय, तेज नारायण सिंह, नालंदा के मुखिया रामचचंद्र प्रसाद, निगम पार्षद विनय कुमार पप्पू मौके पर उपस्थित थे. धन्यवाद ज्ञापन डॉ अंशुमन कारोल ने दिया.

卐 ।।श्री हरिः।। 卐

सन्मार्ग

नमोऽस्तु रामाय सलक्ष्मणाय देव्यै च तस्यै जनकात्मजायै नमोऽतुरूदेन्द्रयमानिलेभ्यो नमोऽस्तुचन्द्रर्कमरूद्गणेभ्यः

जिला योजना ही बने राज्य योजना का आधार

संवाददाता

पटना : समेकित जिला विकास योजनाओं में जिला समिति की भूमिका महत्त्वपूर्ण है. एडवांस प्लानिंग भेजने की तैयारी राज्य सरकार की ओर से की जा रही है क्योंकि जिला के लिए जो भी योजनायें बनायी जा रही है. इसके लिए प्लानिंग जरूरी है वो भी एडवांस में इसी के आलोक में जिला स्तर पर तंत्र विकसित किया जा रहा है. ऐसे में जरूरी है कि तंत्र को संचालित करने के लिए कुशल व सक्षम लिडरशीप हो. उक्त वातें प्रिया द्वारा आयोजित समेकित जिला योजना में जनसहभागीता को बढ़ाने के लिए जिला योजना समितियों का सशक्तिकरण विषय पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय गोलमेज सम्मेलन में पंचायत राज्य विभाग के सचिव डा. दीपक प्रसाद ने कहीं. चौथे राज्य वित्त आयोग के सदस्य शैवाल गुप्ता ने कहा कि 2006 के बाद जो विकास हुए है उसे पंचायती राज्य व्यवस्था के माध्यम से और आगे ले जाने की आवश्यकता है. डा. गुप्ता ने उम्मीद जाहिर की कि राज्य सरकार भी इस विषय में काफी संवेदनशील है. उन्होंने कहा कि अभी राज्य के विकास पर चर्चा हो रही है और वो दिन दूर नहीं जब जिला और पंचायत स्तर भी विकास की चर्चा होगी. विकास में बाजार के महत्व को बताते हुए श्री गुप्ता ने कहा कि पूरे हिन्दूसतान की तुलना में बिहार में केवल चार प्रतिशत बाजार ही उपलब्ध है इसे

व्यवस्था संचालन के लिए सक्षम लीडरशीप जरूरी

बढ़ाने की जरूरत है. प्रिया के राज्य प्रबंधक ओम प्रकाश ने कहा कि बिहार के त्रिस्तरीय पंचायत राज्य संस्थान में 115876 ग्राम पंचायत सदस्य 8463 मुखिया 11566 पंचायत समिति सदस्य और 1162 जिला पार्षद है. इसमें लगभग 16 प्रतिशत अनु.जाति 1 प्रतिशत अनु.जन जाति 20 प्रतिशत अतिपिछड़ा और 50 प्रतिशत महिलायें है. अब समय आ गया है कि नगर संगठन, राजनीतिक दल और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोग पंचायतों एवं नगर निकाय को सशक्त बनाने केलिए काम करें.कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रिया दिल्ली के वरीय कार्यक्रम पदाधिकारी डा.आलोक पांडेय ने कहा कि विकेन्द्रीकृत योजना निर्माण की प्रक्रिया में जिला योजना समिति की महत्वपूर्ण भूमिका है. परंतु दुर्भाग्य यह है कि आज भी योजनायें स्थानीय स्तर पर नहीं मांगी जाती बल्कि उपर से बनायी जाती है. इस अवसर पर पंचायत राज्य विषय के विशेषज्ञ श्री तेज नारायण सिंह पटना जिला परिषद अध्यक्षा शकुंतला देवी, शांति, रूपा, के सचिव शगुफ्ता अजित अनुजा झा वार्ड पार्षद सह जिला योजना समिति सदस्य मधुबनी, अनारो देवी, जिला परिषद अध्यक्षा नालंदा के मुखिया, रामचंद्र प्रसाद निगम पार्षद विनय कुमार पप्पू सहित कई स्थानीय संस्था से जुड़े जनप्रतिनिधियों ने अपने विचार व्यक्त किये सभी आगत अतिथियों का धन्यवाद डा. अंशुमन कारोल ने किया.